

Written by ईश्वरचंद्र भारद्वाज
Saturday, 10 June 2017 02:44

: 0000 00000 00000000 00 0000 00 0000 00 00000 000000 00 000 00000 00 00
000000-000 00 000000000 000 0000 : 00 0000 000000 000000000000 00 000 00
0000 000 000 00 0000 000000 000 00000 00 : 000 00 000000 000 00000 , 00 0000
00000000 :

000000000000 0000000000

0000 : यह कफ़े पुराना कस्सा सा है, लेकिन आज भी यह कस्सा सा उन लोगों के लिए कसी बड़े प्रेरणा-सत्तम भी की तरह अडगि है, जन्मि हैं मानवता की पीड़ा के महसूस कर उसका सटीक और बेबाकरास ता बनाया लेकिन हैरत की बात है कि अपनी नौकर की पारिवारिक मांगलिक जरूरत के जसि तरह चौधरी जी ने महसूस किया, उनके बाद की संततियों के वश की बात नहीं चौधरी अजीत सहि के बस की भी नहीं

जी हां, यह घटना तक की है, जब चौधरी चरण सहि प्रधानमंत्री बन चुके थे पहले भी, उस वक्ती त भी और उसके बाद के वक्ती त में भी उनके साथी हमेशा उनके साथ जुड़े रहे, कोई भी फरक नहीं पड़ा कसी पर भी चौधरी जी की जरूरतों, और उनके आश्रति लोगों की जरूरतों के आपस में पूरी तरह समझने और उसके लिए नदान खोजने-करने के लिए कोई सानी नहीं था तो, उस वक्ती त उनका पुराना नाई ही उनका घरेलू हजाम था उस नाई की बेटी की शादी तय हो गयी तो उन्होंने चौधरी साहब के बताया चरण सहि जी ने बधाई दी और कोई मदद की जरूरत बताने के कहा नाई ने कुछ हजार माँग ली मगर चौधरी साहब के पास प्रधानमंत्री के रूप में मानदेय मल्लिने पर भी नाई की जरूरत के हिसाब से पैसे नहीं थे चौधरी साहब ने कहा देख भाई पैसे अभी हैं नहीं मगर चिता मत कर पूरी शादिदत से शादी कर मैं खुद देख लूंगा

नाई ने बड़ी मुशकिल से शादी का इंतजाम किया और शादी का खर्च जो तो पसीने छूट गया शादी से दो दिन पहले चौधरी साहब से फिर बोला कि चौधरी साहब खर्चा ज्यादा होगा कैसे लोगों का कर्ज उतारूंगा ?

चौधरी साहब बोले परसों "जीमण वार वाले दिन तक सब ठीक हो जागा ज्यादा नहीं सोचते"

10 बजे खाना जीमण वार चालू हुआ

मगर ये क्या ?

देश का प्रधानमंत्री खुद अपने नाई की बेटी का कन्या दान लिख रहा था 10 बजे से 3 बजे तक चरण सहि जी ने कन्यादान लिखा

Written by ईश्वर चंद्र भारद्वाज
Saturday, 10 June 2017 02:44

देखते ही देखते कन्यादान लाख रुपये तक पहुंच गया। सामाजिक सहयोग से गरीब कन्या की ससम्मान वदिाई हुई।

ईश्वर चंद्र भारद्वाज उर्पर के जल संस्करण थान संगठनों में बड़े ओहदों में रह चुके हैं। फलिहाल अपनी सेवानिवृत्ता के बाद वे आगरा में रह रहे हैं।

(यह www.merbyia.com की हर शहर को

फ्रीन हारिस कीनियर अपनी केसबुक पर।

मेरी विटिया डॉट कॉम के केसबुक पेज पर पधारिये और LIKE पर क्लिक कीजिये।

(कल्पने आसपास पछी-पछती दस्तावी असककन, लूट, भ्रमणकर, टाम-डिबार्ड और किरी प्रीतिभ की हवा की खिचो किरी भी शक्य के इदमनमन-संक्षिप्त की विवसित कर सकती है। सकभ में आपके आसपास होने वाली कोई भी सुखद या पचना भी मेरी विटिया डॉट कॉम की सुविधा बन सकती है। बाटे तब स्त्री संवकीकरण से जुड़ी हो, या फिर बच्चे अस्वतृप्ती से कैडिा हो। हर शक्य योजना वादत है। लेकिन अफिकेय लोग को पता तक नहीं होता है कि उसे अपनी प्रीतिभ के ली, कहां और किनी करने चाहिए। अब आपकी हो जाये। अब आपके पास है एक संक्षिप्त पन्ना, नाम है 'सुख' यूजर 'कॉम' www.merbyia.com। संदेश आग अपनी सभी बातें हम www.merbyia.com के साथ शेयर कीजिये। ऐसी कोई पचना, हादसा, खिचिय की भनक मिले, तो आप सीधे हमसे सम्पर्क कीजिये। आप नहीं चाहेंगे, तो हम आपकी पहचान फिया लेंगे, आपका नाम,पता गुप्त रखेंगे। आप अपनी सभी बातें हमारे ईमेल kumarsauvir@gmail.com पर विस्तार से भेज दें। आप चाहें तो हमारे मोबाइल 9415302520 पर भी हमें कभी भी कॉल कर सकते हैं।)